जसपाल कौर पब्लिक स्कूल
हिंदी सप्ताह “रत्नोत्सव”

हिंदी केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं यह हमारी अस्मिता संस्कृति और विचारों का प्रतिबिंब है । यह वह सेतु है जो हमें अपनी जड़ों से जोड़ती है और विश्व में हमारी पहचान को सशक्त करती है।

हिंदी भाषा का महत्व

“भाषा वह सूक्ष्म शक्ति है, जो विचारों को संस्कृति का रूप दे तथा संस्कृति को सभ्यता का आयाम।”

इसी गूढ़ सत्य को केंद्र में स्थापित करते हुए हमारे विद्यालय में 4 अगस्त से 8 अगस्त 2025 तक हिंदी विभाग द्वारा “रत्नोत्सव 2025” का अत्यंत प्रेरणादायक, सृजनशील और सौंदर्यमय आयोजन संपन्न हुआ। यह सप्ताह हिंदी भाषा के वैभव, उसकी अभिव्यक्ति-संपदा तथा उसके सांस्कृतिक विमर्श को समर्पित था। पूरे सप्ताह विद्यालय प्रांगण में भाषा-संवेदना, रचनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति का एक विशिष्ट उत्सव साकार होता हुआ दिखाई दिया। हिंदी सप्ताह के अंतर्गत कक्षा 1 से 10 तक के विद्यार्थियों ने अपने-अपने स्तर पर विविध गतिविधियों में सहभागिता की, जिनका उद्देश्य भाषा के प्रति अनुराग और अभिव्यक्ति की दक्षता को विकसित करना था।

कक्षा I : “नन्हीं आँखों की बात” – कविता पाठ/भाव-प्रदर्शन

- नन्हीं आँखों की चमक में भावनाओं की निर्मल धारा छलक उठी।
- बच्चों की मधुर वाणी ने कविता को जीवंत अनुभूति में बदल दिया।

कक्षा 2 : “मेरे मन की बात शब्दों की जुबानी” – विचार अभिव्यक्ति

- छोटी उम्र में बड़े विचारों की अनोखी झलक दिखाई दी।
- बच्चों ने सरल शब्दों में अपनी भावनाओ का सूक्ष्म चित्र खींचा।
- यह प्रस्तुति मन के विचारों को भाषा का सुंदर स्पर्श प्रदान करती है।

कक्षा 3 : “चित्र से विचार: वाणी की झंकार” – चित्र आधारित मौखिक अभिव्यक्ति

- बच्चों ने चित्रों को शब्दों का उज्ज्वल रूप देकर उन्हें बोलने योग्य बना दिया।
- कल्पना,वाणी और भावों का त्रिवेणी संगम देखने को मिला।प्रत्येक अभिव्यक्ति में सोच की उड़ान और रचनात्मकता का विस्तार दिखाई दिया।।

कक्षा 4 : “विज्ञापनों की दुनिया” – विज्ञापन प्रस्तुति

- बच्चों ने हास्य,तर्क और रचनात्मकता को जोड़कर सजीव विज्ञापन प्रस्तुत किए।
- शब्दों की चंचलता और भावों की ताज़गी ने मंच में ऊर्जा भर दी।
- प्रत्येक विज्ञापन में प्रेरक संदेश और प्रस्तुति की चमक झलकती रही।

कक्षा 4 : “विज्ञापनों की दुनिया” – विज्ञापन प्रस्तुति

कक्षा 5 : “चित्रों के झरोखों से” – दृश्य प्रेरणा आधारित प्रतियोगिता

- बच्चों ने दृश्य संकेतों में छिपे विचारों को शब्दों की गरिमा दी।कल्पना की उड़ान और अवलोकन की क्षमता एक साथ उभरकर आई।

- प्रस्तुति में संवेदनशीलता और रचनात्मक दृष्टि दोनों का सुंदर संयोग था।

कक्षा 6 : “एकल अभिनय” – भावनात्मक नाट्य प्रस्तुति

- भाव ,संवाद और अभिव्यक्ति– तीनों का अद्भुत संयोजन मंच पर साकार हुआ।
- बच्चों ने किरदारों के मनोभावों को अत्यंत प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया।मंच पर हर बच्चे ने अपनी अभिनय क्षमता का सार्थक परिचय दिया।

कक्षा 7 : “बस एक मिनट” – त्वरित भाषण प्रतियोगिता

- त्वरित सोच, स्पष्ट अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास—सब कुछ एक मिनट में समाया।
- बच्चों ने सहजता से जटिल विचारों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया।समयबद्ध वक्तृत्व का यह अभ्यास भाषा-चातुर्य का अनूठा उदाहरण बना।

कक्षा 8 : “एकल अभिव्यक्ति” – चलचित्र आधारित अभिव्यक्ति

- चलचित्र से प्रेरित संवादों ने कल्पना को जीवंत दिशा दी।भावों,लय और शब्दों का समन्वय बच्चों की प्रस्तुति में सुंदरता से उभरा।संवादोंने न केवल विचार व्यक्त किए,बल्कि संवेदना भी जागृत की।

कक्षा 9 : “अनुगूँज” – बदलाव की पुकार को मंचीय रूप देना

- बच्चों ने समाज के मुद्दों को मंच पर सार्थक स्वर दिया।परिवर्तन की पुकार उनकी अभिव्यक्ति में स्पष्ट सुनाई दी।हर प्रस्तुति में जागरूकता, संवेदनशीलता और साहस का स्वर गूंज उठा।

कक्षा 10 : “तर्कमंथन” – तर्क-वितर्क प्रतियोगिता

जब तर्कों का मंथन होता है,तो केवल उत्तर नहीं— विवेक जन्म लेता है।

विद्यार्थियों ने तर्क प्रमाण और दृष्टिकोण के माध्यम से विषय को गहराई से परखा।भाषण-कला और विचार-शक्ति का यह संगम अद्भुत प्रभाव छोड़ गया।

उप-प्रधानाचार्या श्रीमती शिखा धमिजा

" जसपाल कौर पब्लिक स्कूल में हमारे प्रेरणादायक एवं दक्ष उप-प्रधानाचार्या महोदया ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों को निरंतर प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों को हिंदी भाषा की महत्ता और सांस्कृतिक धरोहर के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी।
उप-प्रधानाचार्य महोदय ने बताया कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि हमारी पहचान और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। उन्हों ने छात्रों को यह समझाया कि हिंदी के माध्यम से हम अपनी भावनाओं विचारों और संस्कारों को अभिव्यक्त कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे हिंद भाषा को न केवल बोलने में,बल्कि लिखने और समझने में भी आत्मसात करें।

प्रधानाचार्या श्रीमती आशा सरन श्रीवास्तवा

जसपाल कौर पब्लिक स्कूल में हमारे परिश्रमी एवं उन्नतिकामी प्रधानाचार्या महोदया के सुदृढ़ नेतृत्व में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी सप्ताह का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन के अंतर्गत विद्यार्थियों को अपनी अभिव्यक्तिपूर्ण प्रतिभा का परिचय देने हेतु विविध अवसर प्रदान किए गए। समस्त विद्यार्थियों ने अत्यधिक उमंग एवं उत्साह के साथ हिंदी सप्ताह में भाग लेकर इसे पूर्णतया सफल बनाया जिससे हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता सम्मान एवं गौरव की भावना को नवीन आयाम प्राप्त हुए।

आपका बहुत बहुत धन्यवाद